भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

विषयः पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से संबधित जून, 2024 माह का मासिक सारांश।

1. जल जीवन मिशन (जेजेएम)

10.900 लाख परिवारों को कार्यशील घरेलू नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए, जिससे कुल संख्या 14.93 करोड़ हो गई, जो ग्रामीण क्षेत्रों में कुल परिवारों का लगभग 77.3% है।

2. स्वच्छ भारत मिशन- ग्रामीण- चरण-II

जून 2024 के दौरान 1,53,505 व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) और 1,262 सामुदायिक स्वच्छता परिसरों (सीएससी) का निर्माण किया गया है। इस अवधि के दौरान 17,831 गांवों ने स्वयं को ओडीएफ प्लस घोषित किया है। माह के दौरान 13,328 गांवों को ठोस कचरा प्रबंधन और 3,758 गांवों को तरल कचरा प्रबंधन से कवर किए जाने की सूचना मिली है। माह के दौरान राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 91.07 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई।

3 माननीय जल शक्ति मंत्री, श्री सीआर पाटिल ने 20 जून, 2024 को अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक की। माननीय जल शक्ति राज्य मंत्री, श्री वीरन्ना सोमन्ना और माननीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी भी बैठक के दौरान उपस्थित रहे। जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-जी दोनों के संबंध में प्रस्तुतियां दी गईं। माननीय जल शक्ति मंत्री ने दोनों प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश जारी किए।

4. 3 जून, 2024 को अंतर-मंत्रालयी सामंजस्यपरक से संबंधित मुद्दों तथा आगे बढ़ने पर चर्चा करने के लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमएचएयू) के साथ एक बैठक आयोजित की गई। दोनों सचिवों ने बैठक की सह-अध्यक्षता की और इसमें दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

5. मेरी अध्यक्षता में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमआरटीएच), ग्रामीण विकास विभाग (डीआरडी), पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमईएफसीसी), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमएचयूए), पंचायती राज मंत्रालय (एमपीआर) और अनवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अधिकारियों के साथ 3 जून, 2024 को एक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें बिटुमिनस सड़कों में प्लास्टिक कचरों के उपयोग से संबंधित निर्देशों को अंतिम रूप देने पर चर्चा की गई थी।

6. सचिव, डीडीडब्ल्यूएस ने 07.06.2024 को राज्यों के साथ जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की और उन्हें मौजूदा हीट-वेव के खतरों से बचने तथा पेयजल के मामले में उपचारात्मक उपायों के संबंध में जागरूक किया।

7. अब तक प्रदान किए गए नल जल कनेक्शनों की कार्यशीलता के संबंध में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा करने के लिए 26.06.2024 और 27.06.2024 को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ आभासी बैठकें आयोजित की गईं। सतत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं से संबंधित तौर-तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

8. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय जल एवं स्वच्छता संस्थान (एसपीएम-एनआईडब्ल्यूएएस), कोलकाता, जो इस विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन जल एवं स्वच्छता संबंधी एक शीर्ष संस्थान है, विभिन्न विषयों से संबंधित प्रशिक्षण आयोजित करता रहता है। जून, 2024 माह के दौरान, इसने "शहरी सीवेज शोधन संयंत्र के साथ अभिसरण के माध्यम से मलीय गाद प्रबंधन को बढ़ाना- सह-उपचार दृष्टिकोण", "सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे का उपयोग", "मलीय गाद प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण (एसबीएम (जी) 2.0)" और "एसबीएम-जी 2.0 (चरण-2) (बैच-1) के लिए मास्टर ट्रेनर का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम" विषयों पर 4 प्रशिक्षण आयोजित किए तथा जून 2024 माह के दौरान कुल 199 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

संस्थान ने निम्नलिखित विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए

i. ग्रामीण क्षेत्रों में निजी पेयजल विक्रेताओं का उद्भव- एक बहु-राज्य अध्ययन से रुझान;

ii. असम में समग्र जल शासन के लिए जेजेएम ब्रेन;

iii. मौजूदा मलीय गाद और प्रयुक्त जल प्रबंधन सुविधाओं के इष्टतम उपयोग में अवसर;

iv. गंदला जल प्रबंधन से संबंधित चुनौतियां: विकेंद्रीकृत सोख्ता गड्ढों के रखरखाव से संबंधित मुद्दे और उनके निराकरण के तरीके;

v. जेजेएम के लिए आईईसी: मोबाइल फोन के जरिए फोटो और वीडियो शूट करने के संबंध में दिशानिर्देश (थीम के तहत: जेजेएम के प्रति विश्वास को जगाना;

vi. जल जीवन मिशन के तहत स्रोतों की स्थिरता में सुधार से संबंधित चुनौतियां, अवसर और आगे का रास्ता।

इन वेबिनार में कुल 1667 लोगों ने भाग लिया।

*****